राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI.No. UPHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करे
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | 9511151254 | epaper.swatantraprabhat.com | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार , 20 मार्च 2025

वर्ष 13, अंक 324, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मोहनलालगंज लेसा की गर्मी की दस्तक ने ही खोली पोल...03

प्रवेश द्वार कराएंगे अहसास, मथुरा है खास'...04

फिरोजाबाद दिहुली हत्याकांड में 44 साल बाद तीन को फांसी की सजा

23 लोगों पर बरसाई गई थी अंधाधुंध गोलियां।

ब्यूरो प्रयागराज। फिरोजाबाद जिले के दिहुली गांव में 44 वर्ष पहले हुए सामूहिक हत्याकांड के तीनों दोषियों को अदालत ने सजा सुनाई है। वर्ष 1981 में हुए इस जघन्य अपराध में कुल 23 लोगों की हत्या कर दी गई थी, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल बन गया था।इस ऐतिहासिक फैसले में दोषियों को फांसी और 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। दिहुली हत्याकांड उत्तर प्रदेश के सबसे जघन्य अपराधों में से एक था जिसने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया था। इस मामले में 44 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार पीड़ित परिवारों को न्याय मिला। 18 नवंबर 1981 की शाम करीब पांच बजे, फिरोजाबाद जिले के जसराना थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित दिहुली गांव में हथियारबंद बदमाशों ने दलित बस्ती पर हमला कर दिया। इस हमले में शामिल अपराधियों ने महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। तीन घंटे तक चली इस बर्बर फायरिंग में लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल ने फिरोजाबाद अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद, 19 नवंबर 1981 को दिहुली गांव निवासी लायक सिंह ने जसराना थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी में मुख्य रूप से राधेश्याम उर्फ राधे और संतोष चौहान उर्फ संतोषा को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने गहन जांच-पड़ताल के बाद अन्य आरोपियों को भी इस मामले में शामिल किया और उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की. इस नरसंहार में शामिल अन्य अभियुक्तों में रामसेवक, रविंद्र सिंह, रामपाल सिंह, वेदराम सिंह, मिट्ठू, भूपराम, मानिक चंद्र, लटूरी, रामसिंह, चुन्नीलाल, होरीलाल, सोनपाल, लायक सिंह, बनवारी, जगदीश, रेवती देवी, फूल देवी, कप्तान सिंह, कमरुद्दीन, श्यामवीर, कुंवरपाल और लक्ष्मी के नाम शामिल किए गए थे। घटना के बाद पुलिस द्वारा की गई जांच और अदालत में प्रस्तुत किए गए आरोप पत्रों के आधार पर इस मामले की सुनवाई जिला न्यायालय में शुरू हुई। हालांकि, डकैती न्यायालय न होने के कारण मामला प्रयागराज स्थानांतरित कर दिया गया। वहां कई वर्षों तक चली सुनवाई के बाद इसे फिर से मैनपुरी के स्पेशल जज डकैती न्यायालय भेज दिया गया। करीब 15 सालों तक चली इस सुनवाई के बाद, आखिरकार अदालत ने इस बहुचर्चित हत्याकांड में तीन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। डकैती न्यायालय की न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने इस मामले में तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाते हुए 50-50 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया। इस फैसले के बाद, तीनों दोषियों को पुलिस अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

सुनीता विलियम्स की वापसी से पहले पीएम मोदी ने लिखा पत्र, दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली । नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर करीब नौ महीने तक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'फंसे' रहने के बाद आखिरकार धरती पर लौट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स के नाम एक भावपूर्ण पत्र लिखकर उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की है। प्रधानमंत्री द्वारा 1 मार्च को लिखा गया यह पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। उन्होंने लिखा, पूरी दुनिया सुनीता विलियम्स की सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस महत्वपूर्ण क्षण में पीएम मोदी ने भारत की इस गौरवशाली बेटी के लिए अपनी चिंता और शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा, भले ही आप हजारों मील दूर हैं, लेकिन आप हमारे दिलों के बेहद करीब हैं। भारत के लोग आपकी अच्छी सेहत और आपके मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अमेरिका की अपनी पिछली यात्राओं और विभिन्न राष्ट्रपतियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने हमेशा सुनीता विलियम्स के बारे में जानकारी ली। पीएम मोदी ने पत्र में अपने 2016 के अमेरिकी दौरे के दौरान सुनीता विलियम्स से हुई मुलाकात को भी याद किया और उन्हें भारत आने का न्योता दिया। पीएम मोदी ने लिखा, आपकी वापसी के बाद हम आपको भारत में देखने के लिए उत्सुक हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी कि हम अपनी इस महान बेटी की मेजबानी करें। उन्होंने कहा, 1.4 अरब भारतीय हमेशा आपकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। हाल की घटनाओं ने एक बार फिर आपकी अद्भुत दृढ़ता और साहस को साबित किया है। जितेंद्र सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले पीएम मोदी ने पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो से मुलाकात की थी और उनके माध्यम से यह पत्र सुनीता विलियम्स तक पहुंचाने का अनुरोध किया था।

डीएम का अवैध खनन पर कड़ा एक्शन सुबह तड़के खुद संभाली कमान

कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ बालू भंडारण जब्त।

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा के डीएम के कड़े एक्शन के बाद खनन माफिया में हड़कंप मच गया है। अवैध खनन को रोकने के लिए डीएम ने सोमवार की सुबह तड़के छापेमारी की खुद कमान संभाली। इस दौरान अवैध रूप से भंडारण किए गए बालू व परिवहन करती पाई गई ट्रैक्टर ट्राली को डीएम के निर्देश पर सीज कर दिया गया। जिससे खनन माफिया में हड़कंप मच गया है।इसमें कई अवैध खनन गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ। डीएम के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। जबकि एक गांव में 100 घनमीटर अवैध बालू का भंडारण पकड़ा गया। डीएम के निर्देश पर एसडीम तरबगंज ने यह प्रवर्तन अभियान चलाया। ट्रैक्टर-ट्रॉली को जांच के दौरान पकड़ा गया। मौके पर मौजूद वाहन स्वामी राजकुमार और चालक मनोज कुमार से वैध खनन परिवहन पास मांगा गया। लेकिन वे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में पाया गया कि इस ट्रैक्टर-ट्रॉली में 5.72 घनमीटर बालू लोड था। इस वाहन को उमरीबेगमगंज में जब्त कर लिया गया। प्रशासन की छापेमारी के दौरान प्रशासन ने ग्राम ऐली परसोली, तहसील तरबगंज में प्रधान मनिराम यादव के ठिकाने पर भी जांच की। वहां 100 घनमीटर अवैध रूप से संचित बालू पाया गया। ग्राम प्रधान ने सफाई दी। यह बालू गांव में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के लिए लाया गया है। लेकिन वैध दस्तावेज न होने के कारण प्रशासन ने खनन विभाग को रिपोर्ट सौंपने और आवश्यक जांच के निर्देश दिए। अवैध बालू खनन अभियान में प्रशासन ने एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली वाहन संख्या क्र43 ञ्च 2460 को भी पकड़ा। इस वाहन में लगभग 30 घनमीटर बालू लोड था। लेकिन चालक अनिल कुमार निवासी सुभागपुर, थाना कौड़िया के पास वैध अभिवहन पास नहीं था। इसके अलावा, जांच के दौरान राहुल सिंह निवासी अनभुला, भाग नकंवा भी अवैध खनन गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। प्रशासन ने इन सभी के खिलाफ खनिज नियमावली 2021 के नियम 72(1) तथा खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 4 एवं 21 के तहत कार्रवाई की। पकड़े गए सभी वाहनों को जब्त कर उमरीबेगमगंज में जिलाधिकारी की निगरानी में रखा गया है। अब ये वाहन अदालत के आदेश तक प्रशासन की अभिरक्षा में रहेंगे। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने स्पष्ट संदेश दिया कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान जारी रहेंगे। ताकि खनन माफियाओं पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। जांच से जुड़ी संपूर्ण रिपोर्ट खनन विभाग को भेज दी गई है। ताकि विधिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि अवैध खनन पर नजर रखी जाए। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त ख़बरें

सीतापुर सांसद राकेश राठौर को मिली जमानत

सीतापुर जिला कारागार में बंद कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को जमानत मिल गई है BNS की धारा 69 के तहत सीजेएम कोर्ट से जमानत मिली है आज दोपहर दोनों पक्षों की तरफ से कोर्ट में बहस हुई एक-एक लाख रुपए के दो बॉन्ड सांसद की तरफ से दाखिल किए गए 11 मार्च को सांसद को यौन शोषण मामले में जमानत मिली थी तब हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जमानत दी थी विवेचना में धारा 69 की बढ़ोतरी के चलते रिहाई नहीं हो पाई थी। आज सीजेएम गौरव प्रकाश ने जमानत पर फैसला सुनाया है 11 मार्च को हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में न्यायाधीश राजेश सिंह ने यौन शोषण के मामले में सांसद को जमानत दी थी लेकिन पुलिस द्वारा धारा 69 की बढ़ोतरी के कारण उनकी रिहाई नहीं हो सकी 12 मार्च को पुलिस ने सांसद को सीजेएम कोर्ट में पेश किया और चार्जशीट दाखिल की सांसद के अधिवक्ता ने धारा 69 के तहत जमानत याचिका दाखिल की आज की सुनवाई के बाद ही सांसद की जेल से रिहाई का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा!!

लखनऊ में वकील से मारपीट का विरोध, सीतापुर में वकीलों ने किया प्रदर्शन डीएम को सौंपा ज्ञापन, न्यायिक कार्य रहा ठप

सीतापुर। जनपद सीतापुर के वकीलों ने आज न्यायिक कार्य से दूरी बनाते हुए विरोध प्रदर्शन किया यह प्रदर्शन लखनऊ के विभूति खंड में एक वकील के साथ हुई मारपीट के विरोध में किया गया। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने सड़कों पर पुलिस विरोधी नारे लगाए उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा होली के दिन हुई इस घटना में पुलिस पर वकील के साथ दुर्व्यवहार का आरोप है बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय अवस्थी के अनुसार, जब वकीलों ने नशे में धुत पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की इसके बदले पुलिस ने वकीलों पर ही कई मुकदमे दर्ज कर दिए वकीलों की मुख्य मांग है कि उनके खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमे वापस लिए जाएं साथ ही दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए!!

पिछले 10 सालों में भारत के बैंकों ने 16.35 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। सरकार ने 2023-24 के दौरान बैंकों ने 1,70,270 करोड़ रुपये के खराब ऋणों को माफ किया, जो पिछले वित्त वर्ष में किए गए 2,16,324 करोड़ रुपये से कम है। सोमवार को संसद को बताया गया कि भारत के बैंकों ने पिछले 10 वित्तीय वर्षों में लगभग 16.35 लाख करोड़ रुपये के गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) या बुरे ऋणों को माफ कर दिया है । इस विशाल आँकड़ों में से, बड़े उद्योगों के बुरे ऋणों की राशि 9.26 लाख करोड़ रुपये है । हालाँकि, सरकार ने उन कॉरपोरेट्स के नाम बताने से परहेज किया है जिनके ऋण बुरे ऋणों में बदल गए। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान सबसे अधिक 2,36,265 करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले गए, जबकि 2014-15 में 58,786 करोड़ रुपये के एनपीए बट्टे खाते में डाले गए, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे कम है। 2023-24 के दौरान बैंकों ने 1,70,270 करोड़ रुपये के बुरे ऋणों को बट्टे खाते में डाला , जो पिछले वित्त वर्ष में किए गए 2,16,324 करोड़ रुपये से कम है । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों और बैंकों के बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को बट्टे खाते में डालते हैं, जिनमें वे भी शामिल हैं जिनके लिए चार साल पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान किया गया है।उन्होंने कहा कि इस तरह की बट्टे खाते में डालने से उधारकर्ताओं की देनदारियों में छूट नहीं मिलती है और इसलिए

इससे उधारकर्ता को कोई लाभ नहीं होता है। वित्त मंत्री ने विस्तृत उत्तर में कहा कि बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्रों के तहत उधारकर्ताओं के खिलाफ शुरू की गई वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं, जैसे कि सिविल अदालतों या ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में मुकदमा दायर करना , वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम के तहत कार्रवाई करना, दिवाला और दिवालियापन संहिता के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण में मामले दर्ज करना आदि। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 दिसंबर, 2024 तक, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास 29 विशिष्ट उधारकर्ता कंपनियाँ थीं, जिन्हें एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनमें से प्रत्येक पर 1,000 करोड़ रुपये और उससे अधिक का बकाया है, उन्होंने कहा, इन खातों में कुल बकाया 61,027 करोड़ रुपये था । उधारकर्ताओं से अतिदेय राशि की वसूली के संबंध में, बैंक अतिदेय राशि के भुगतान के बारे में उधारकर्ताओं को कॉल करते हैं और ईमेल/पत्र जारी करते हैं, और डिफ़ॉल्ट राशि के आधार पर, बैंक कॉर्पोरेट उधारकर्ताओं के मामले में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण से भी संपर्क कर सकते हैं। वित्त मंत्री ने सीपीआई (एम) सांसद अमरा राम द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तर में कहा कि इसके अलावा, यदि किसी ऋण खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, तो बैंक अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार वसूली कार्रवाई शुरू करते हैं, जिसमें सिविल अदालतों या ऋण वसूली न्यायाधिकरणों में मुकदमा दायर करना और वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम के तहत कार्रवाई शामिल है ।

नाकाम बनर्जी ने कहा कि बजट में कमी से न केवल रेलवे में सेवा की गुणवत्ता प्रभावित होगी बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी इसका असर पड़ेगा

पांच सालों में 200 रेल हादसे, 351 लोग की मौत, पूरी तरह से नाकाम रहे रेल मंत्री

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद ने सोमवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि फरवरी महीने में नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को रोकने में रेल प्रशासन और रेल मंत्री पूरी तरह से नाकाम रहे थे। कल्याण बनर्जी ने वर्ष 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांग पर चर्चा और मतदान में हिस्सा लेते हुए कहा कि संपूर्ण रेलवे बजट में कमी आई है।उन्होंने दावा किया, ''यह वित्त वर्ष 2023-24 के 2.92 लाख करोड़ रुपये से घटकर 2025-26 में 2.65 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस तरह यह नौ प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।'' बनर्जी ने कहा कि बजट में कमी से न केवल रेलवे में सेवा की गुणवत्ता प्रभावित होगी बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''यात्रियों की सुविधाओं पर आवंटन में लगातार कमी आई है, स्टेशनों के रखरखाव, शौचालय, टिकटिंग सर्विस और अन्य यात्री केंद्रित

सुविधाओं में लगातार कमी आई है।' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 200 रेल दुर्घटनाओं में 351 लोग की मौत हुई और 970 घायल हुए। बनर्जी ने हालिया रेल दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि 15 फरवरी 2025 को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोग मारे गए, जब हजारों हिंदू तीर्थयात्री महाकुंभ (प्रयागराज) जाने के लिए स्टेशन पर प्रतीक्षा कर रहे थे।उन्होंने कहा,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह देखा गया कि इस हादसे को रोकने में रेलवे मशीनरी नाकाम हो गई और रेल मंत्री नाकाम रहे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सचिदानंदम आर. ने आरोप लगाया कि भारतीय रेलवे द्वारा परचालित की जा रही यात्री ट्रेनों को अब एक्सप्रेस ट्रेनों में तब्दील कर दिया गया है।उन्होंने वंदे भारत और तेजस जैसी ट्रेनें अमीर लोगों के लिए शुरू किये जाने का दावा करते हुए, आम आदमी के लिए अमृत भारत गैर एसी (वातानुकूलित) ट्रेन, अमृत भारत पैसेंजर ट्रेन परिचालित किये जाने की मांग की।उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए टिकट में रियायत का भी अनुदान की मांगों में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। जनता दल (सेक्युलर) के एम मल्लेश बाबू ने देश के प्रत्येक स्टेशन पर 'मिनी मेडिकल कियोस्क' खोलने की मांग की।उन्होंने कहा कि यात्रियों को स्टेशन पर स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पेश आने पर वहां से बाहर निकलकर दवा खरीदनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर इस तरह की दवा दुकानें खोले जाने से यात्रियों को वहां से बाहर नहीं निकलना पड़ेगा।

शिक्षा का जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है : उमा अग्रवाल

सिद्धार्थनगर । शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय रमवापुर नानकार में मंगलवार को शारदा संगोष्ठी व वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सुमित्रा, नन्दनी, बसुंधरा, मुदास्सिर, दीपिका साहनी, बबिता आदि छात्र - छात्राओं ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों को मुख्य

अतिथि नगर अध्यक्ष शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल व खण्ड शिक्षा अधिकारी सन्तोष कुमार शुक्ला ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान नगर अध्यक्ष ने कहा कि बच्चे मन लगाकर पढ़ें और अच्छी पढ़ाई कर बच्चे विद्यालय एवं क्षेत्र तथा अपने माता पिता के साथ जनपद का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इस दौरान प्रधानाध्यापिका सावित्री देवी,किसलावती, लालजी यादव, राधेश्याम वर्मा, अतिउल्लाह, प्रधानाध्यापिका सावित्री देवी, सौरभ निगम, सुरेन्द्र यादव, रामकुमार, संजीव राम, अब्दुल हक, शिव प्रसाद,एसएमसी अध्यक्ष सीमा आदि मौजूद रहे।

ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत पर प्रभाव

यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे।

अमेरिका में दिनांक 20 जनवरी 2025 को नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ली गई शपथ के उपरांत ट्रम्प प्रशासन आर्थिक एवं अन्य क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण फैसले बहुत तेज गति से ले रहा है। इससे विश्व के कई देश प्रभावित हो रहे हैं एवं कई देशों को तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि अंततः आगे आने वाले समय में इन फैसलों का प्रभाव इन देशों पर किस प्रकार होगा।

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को बढ़ा रहा है क्योंकि इन देशों द्वारा अमेरिका से आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि «टिट फोर टेट» एवं «रेसिप्रोकल» आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है।

अमेरिका में उपभोक्ता आधारित उत्पादों का आयात अधिक मात्रा में होता है और अब अमेरिका चाहता है कि इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ हो ताकि इन उत्पादों का अमेरिका में आयात कम हो सके। दक्षिण कोरीया, जापान, कनाडा, मेक्सिको आदि जैसे देशों की अर्थव्यवस्था केवल कुछ क्षेत्रों पर ही टिकी हुई है अतः इन देशों पर अमेरिका में बदल रही नीतियों का अधिक विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जबकि भारत एक विविध प्रकार की बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था है, अतः भारत को कुछ क्षेत्रों में यदि नुकसान होगा तो कुछ क्षेत्रों में लाभ भी होने की प्रबल सम्भावना है। संभवतः अमेरिका ने भी अब यह एक तरह से स्वीकार कर लिया है कि भारत के कृषि क्षेत्र को टैरिफ युद्ध से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि भारत के किसानों पर इसका प्रभाव विपरीत रूप से पड़ता है। और, भारत यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा कि भारत के किसानों को नुकसान हो। डेरी उत्पाद एवं समुद्रीय उत्पादों में भी आवश्यक खाने पीने की वस्तुएं शामिल हैं। भारत अपने देश में इन उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से इन उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाता है, ताकि अन्य देश सस्ते दामों पर इन उत्पादों को भारत के बाजार में डम्प नहीं कर सकें। साथ ही, भारत में मिडल क्लास की मात्रा में वृद्धि अभी हाल के कुछ वर्षों में प्रारम्भ हुई है अतः यह वर्ग देश में उत्पादित सस्ती वस्तुओं पर अधिक निर्भर है, यदि इन्हें आयातित महंगी वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो वह इन्हें सहन नहीं कर सकता है। अतः यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने नागरिकों को सस्ते उत्पाद उपलब्ध करवाए। अन्यथा, यह वर्ग एक बार पुनः गरीबी रेखा के नीचे आ जाएगा। भारत ने मुद्रा स्फीति को भी कूटनीति के आधार पर नियंत्रण में रखने में सफलता प्राप्त की है। रूस, ईरान, अमेरिका, इजराईल, चीन, अरब समूह आदि देशों के साथ अच्छे सम्बंध रखकर विदेशी व्यापार करने में सफलता प्राप्त की है। जहां से भी जो वस्तु सस्ती मिलती है भारत उस देश से उस वस्तु का आयात करता है। इसी नीति पर चलते हुए, कच्चे तेल के आयात के मामले में भी भारत ने विभिन्न देशों से भारी मात्रा में छूट प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है और ईंधन के दाम भारत में पिछले लम्बे समय से स्थिर बनाए रखने में सफलता मिली है।

अमेरिका द्वारा चीन, कनाडा एवं मेक्सिको पर लगाए गए टैरिफ के बढ़ाने के पश्चात इन देशों द्वारा भी अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए जाने के उपरांत अब विभिन्न देशों के बीच व्यापार युद्ध एक सच्चाई बनता जा रहा है। परंतु, क्या इसका असर भारत के विदेशी व्यापार पर भी पड़ने जा रहा है अथवा क्या कुछ ऐसे क्षेत्र भी ढूंढे जा सकते हैं जिनमें भारत लाभप्रद स्थिति में आ सकता है। जैसे, अपैरल (सिले हुए कपड़े) एवं नान अपैरल टेक्सटायल का मेक्सिको से अमेरिका को निर्यात प्रतिवर्ष लगभग 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहता

है और मेक्सिको का अमेरिका को निर्यात के मामले में इसवां स्थान है। अमेरिका द्वारा मेक्सिको से आयात पर टैरिफ लगाए जाने के बाद टेक्सटायल से सम्बंधित उत्पाद अमेरिका में महंगे होने लगेंगे अतः इन उत्पादों का आयात अब अन्य देशों से किया जाएगा। मेक्सिको अमेरिका को 250 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कॉटन अपैरल का निर्यात करता है एवं 150 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नान कॉटन अपैरल का निर्यात करता है। कॉटन अपैरल के आयात के लिए अब अमेरिकी व्यापारी भारत की ओर देखने लगे हैं एवं इस संदर्भ में भारत के निर्यातकों के पास पूछताछ की मात्रा में वृद्धि देखी जा रही है। इन परिस्थितियों के बीच, टेक्सटायल उद्योग के साथ ही, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, इंजीनीयरिंग क्षेत्र एवं श्रम आधारित उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी भारत को लाभ हो सकता है।

यदि अमेरिका अपने देश में हो रहे उत्पादों के आयात पर टैरिफ में लगातार वृद्धि करता है तो यह उत्पाद अमेरिका में बहुत महंगे हो जाएंगे और इससे अमेरिकी नागरिकों पर मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। क्या अमेरिकी नागरिक इस व्यवस्था को लम्बे समय तक सहन कर पाएंगे। उदाहरण के तौर पर फार्मा क्षेत्र में भारत से जेनेरिक्स दवाइयों का निर्यात भारी मात्रा में होता है। यदि अमेरिका भारत के उत्पादों पर टैरिफ लगाता है तो इससे अधिक नुकसान तो अमेरिकी नागरिकों को ही होने जा रहा है। भारत से आयात की जा रही सस्ती दवाएं अमेरिका में बहुत महंगी हो जाएंगी। इससे अंततः अमेरिकी नागरिकों के बीच असंतोष फैल सकता है। अतः अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन के लिए, टैरिफ को लम्बे समय तक बढ़ाते जाने की अपनी सीमाएं हैं।

अमेरिका विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र एवं सबसे बड़ा विकसित देश है और इस नाते अन्य देशों के प्रति अमेरिका की जवाबदारी भी है। टैरिफ बढ़ाए जाने के सम्बंध में एक तरफा कार्यवाही अमेरिका को अन्य देशों के साथ सौदेबाजी की क्षमता तो बढ़ा सकती है परंतु यह कूटनीति लम्बे समय तक काम नहीं आ सकती है। अमेरिकी नागरिकों के साथ साथ अन्य देशों में भी असंतोष फैलेगा। कोई भी व्यापारी नहीं चाहता कि नीतियों में अस्थिरता बनी रहे। इसका सीधा सीधा असर विश्व के समस्त स्टॉक मार्केट पर विपरीत रूप से पड़ता हुआ दिखाई भी दे रहा है। यदि यह स्टॉक मार्केट के अतिरिक्त अन्य बाजारों एवं नागरिकों के बीच में भी फैला तो मंदी की सम्भावनाओं को भी नकारा नहीं जा सकता है। अमेरिका के साथ साथ अन्य कई देश भी मंदी की चपेट में आए बिना नहीं रह पाएंगे। अर्थात, इस प्रकार की नीतियों से विश्व के कई देश विपरीत रूप से प्रभावित होंगे।

अमेरिका को भी टैरिफ के संदर्भ में इस बात पर एक बार पुनः विचार करना होगा कि विकसित देशों पर तो टैरिफ लगाया जा सकता है क्योंकि अमेरिका एवं इन विकसित देशों में परिस्थितियां लगभग समान है। परंतु विकासशील देशों जैसे भारत आदि में भिन्न परिस्थितियों के बीच तुलनात्मक रूप से अधिक परेशानियों का सामना करते हुए विनिर्माण क्षेत्र में कार्य हो रहा है, अतः विकसित देशों एवं विकासशील देशों को एक ही तराजू में कैसे तौला जा सकता है। विकासशील देशों ने तो अभी हाल ही में विकास की राह पर चलना शुरू किया है और इन देशों को अपने करोड़ों नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाना है। तो फिर विकसित देश बनने में अभी लम्बा समय लगना है। अतः विकसित देशों को इन देशों को विशेष दर्जा देकर इनकी आर्थिक मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। अमेरिका को विकसित देश बनने में 100 वर्ष से अधिक का समय लग गया है और फिर विकासशील देशों के साथ इनकी प्रतिस्पर्धा कैसे हो सकती है। विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने का अधिकार है, अतः विकासशील देश तो टैरिफ लगा सकते हैं परंतु विकसित देशों को इस संदर्भ में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

संपादकीय

मप्र नौकरशाही के भगवाकरण का श्रीगणेश

मध्यप्रदेश में जो अब तक नहीं हुआ था,वो अब हो रहा है। मध्यप्रदेश में 2003 से अभी तक भाजपा की सरकार है। 19 महीने की कांग्रेस सरकार एक अपवाद थी। इस लंबे कार्यकाल में भाजपा ने प्रदेश में बहुत से नवाचार किये लेकिन पहली बार प्रदेश की नौकरशाही का भगवाकरण शुरू हुआ है वो भी सामंतों के शहर ग्वालियर से। ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह और निगमायुक्त संघप्रिय ने भाजपा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में न सिर्फ भाग लिया बल्कि भाजपा नेताओं के साथ तस्वीरें खिंचवाई और गले में भगवा दुपट्टे डलवाये।

मेरे पांच दशक की पत्रकारिता के अनुभव में ऐसे दृश्य पहले कभी देखने को नहीं मिले ,इसलिए मै चौंका भी और मुझे कुछ अटपटा भी लगा।सवाल ये है कि क्या भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों को किसी राजनीतिक दल के कार्यक्रम में शामिल होने का संवैधानिक अधिकार है ? या लोकसेवकों की कोई आचार संहिता भी है जो उन्हें राजनीतिक दलों की गतिविधियों में शामिल होने से रोकती भी है। सवाल ये नहीं है कि प्रशासनिक अधिकारी सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रम में शामिल हुए,सवाल ये है कि क्या ऐसा कर उन्होंने कोई नजीर पैदा की है ? सवाल ये भी है कि लोकसेवकों के इस आचारण का आम जनता पर,और प्रशासनिक कामकाज पर भी कोई असर पडेगा या नहीं ?

जहाँ तक मेरा ज्ञान है कि लोक सेवा अधिनियम, 2007 (संशोधन, 2009) में जिन नैतिक मूल्यों पर बल दिया गया है, उन्हें नीति संहिता माना जा सकता है।इस नीति संहिता के मुताबिक लोकसेवक को संविधान की प्रस्तावना में आदर्शों के प्रति निष्ठा रखना।तटस्थता, निष्पक्षता बनाए रखना।

किसी राजनीतिक दल के प्रति सार्वजनिक निष्ठा न रखना। यदि किसी दल से लगाव हो तो भी अपने कार्यों पर प्रभाव न पड़ने देना।देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए वंचित समूहों (लिंग, जाति, वर्ग या अन्य कारणों से) के प्रति करुणा का भाव रखते हुए निर्णयन प्रक्रिया में उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता के साथ-साथ उच्चतम सत्यनिष्ठा को बनाए रखना चाहिए।

मेरे सम्पर्क में ऐसे बहुत से लोकसेवक रहे हैं जिनकी अपनी राजनीतिक निष्ठाएं थीं लेकिन वे कभी खुलकर किसी राजनीतिक दल के किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। एक आईपीएस थे अयोध्यानाथ पाठक ,वे तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह के अंधभक्त थे । उन्होंने 1983

में महाराज बाड़ा पर एक संगठन की आमसभा में आरएसएस के खिलाफ खुलकर भाषण दिए थे। उनकी इस कार्रवाई पर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था और पाठक जी को सफाई देना पड़ी थी।पाठक जी प्रदेश कि पुलिस महानिदेशक बनर सेवनिवृर्तहुए लेकिन किसी दल में शामिल नहीं हो पाए। एक आईएएस अफसर थे एसके मिश्रा वे बुधनी उपचुनाव के समय भाजपा की एक चुनाव सभा में कलेक्टर की हैसियत से तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के सामने घुटनों के बल बैठे देखे गए तो उनके खिलाफ फौरन कार्रवाई की गयी। एक थीं शशि कर्णावत वे तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के आगे-पीछे घूमती ही नहीं थीं बल्कि शासकीय कार्यक्रमों में भी कांग्रेस की बात करतीं थीं,आज उनका आता-पता नहीं है।

ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह और संघप्रिय भी इसी तरह राजनीतिक निष्ठाओं से बंधे लोकसेवक के रूप में चिन्हित किये गए हैं। इन दोनों के समाने विकल्प था कि ये दोनों भाजपा के होली मिलन समारोह में शामिल होने से इंकार कर सकते थे ,लेकिन इन दोनों ने ऐसानहीं किया। क्योंकि इन्हें लगा कि वे कुछ गलत नहीं कर रहे है। एक तरह से ये गलत है भी नहीं। किन्तु एक लोकसेवक के नाते इन दोनों का आचरण सवालों के घेरे में तो आता ही है। मुमकिन है कि इन दोनों ने सोचा हो की जब केंद्र सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को आरएसएस के कार्यक्रमों में शामिल होने की छूट दे दी है तो फिर भाजपा के कार्यकक्रमों में शामिल होने से क्या हर्ज है ?

मुझे लगता है कि भाजपा की प्रदेश सरकार ग्वालियर के इन दोनों दुस्साहसी लिकसेवकों के आचरण के लिए इन्हें दण्डित करने के बजाय पुरस्कृत करेगी। इन दोनों ने पूरे प्रदेश की नौकरशाही के लिए एक नजीर पेश की है। अब मुमकिन है कि हर जिले में आपको प्रशासनिकअफसर सत्तारूढ़ दल के कार्यक्रमों में भगवा दुपट्टा डाले नजर आने लगें। शैक्षणिक संस्थानों में तो भवकरण अब पुरानी बात हो गयी है ,केवल एक प्रशासन इससे बचा था जो इस होली पर खुद भगवा हो गया।

वर्तमान समय में सिविल सेवकों के लिए आचार मानकों को भारतीय संविधान के अनुच्छेद-309 के तह्ठत सिविल सर्विस (कंडक्ट) रूल्स में उल्लिखति आचरण नियमों ाधार पर किया जाता है। इस पर एक कानून की आवश्यकता को समझकर ही भारत सरकार द्वारा सिविल सर्विस स्टैंडर्ड्स, परफॉरमेन्स एंड अकाउंटिबिलिटी बिल,2010 को लाया गया, जिसमें सिविल सेवकों को बहुआयामी ढंग से कार्यकुशल बनाने के लिए प्रावधान किए गए हैं।लेकिन अब ये तमाम प्रावधान मुझे निरर्थक होते दिखाई दे रहे हैं। मै ग्वालियर जिले की कलेक्टर और ग्वालियर नगर निगम के आयुक्त को बधाई तो नहीं दूंगा किन्तु उनके दुस्साहस को सलाम जरूर करूंगा । मुझे प्रतीक्षा रहेगी प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन के भावी व्यवहार और निर्णय की किए वे अपने मातहतों के भगवाकरण को लेकर संज्ञान लेते हैं या इसकी अनदेखी करते हैं ? वैसे मुख्य सचिव को अभी तक तो किसी ने मैदान में विचरते देखा नहीं है।

मेरा अनुभव है कि तमाम लोकसेवकों के मन में एक अतृप्त कामना होती है नेतागिरी करने की । वे अनपढ़ नेताओं के सामने जब अपने आपको निरीह अवस्था में पाते हैं ,तब उन्हें लगता है कि क्या ही अच्छा होकि वे खुद राजनीती में आ जाएँ। जो दुस्साहसी हैं वे नौकरी छोड़कर राजनीती में आ ही जाते हैं और जो संकोची हैं वे सेवानिवृत्ति का इंतजार करते हैं। मप्र के एक पूर्व मंत्री पटवारी थे,नौकरी छोड़कर राजनीति में आये थे। डॉ भगीरथ प्रसाद, सरदार सिंह डंगस जैसे अनेक आईएएस अफसरों ने बाद में राजनीति की ही शरण ली ही और विधानसभाओं तथा संसद तक में पहुंचे। श्रीमती रुचिका सिंह और संघप्रिय ने भी सरकार के सामने अपनी रूचि का प्रदर्शन कर दिया है। अब आपको ,सबको इंतजार करना पड़ेगा इन दोनों को राजनेता के रूप में ढलते देखने का। हमारी शुभकामनायें।

राकेश अचल

(पर्यावरण)इंसानी साँसों की कीमत पर विकास, बदहाल जलवायु।

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है,बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन के अविष्कार ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है। क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ-साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के साथ जीव जंतुओं के लिए सर्वाधिक नुकसानदायक साबित हो रहा है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां ,असुरक्षित और धरती, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा,।हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय %पर% यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है,किंतु जब वायु ,जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यो से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा,स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। वातावरण को सुरक्षित करने के लिए हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, रेडियोधर्मी प्रदूषण, समुद्र प्रदूषण, ई कचरा प्रदूषण, अंतरिक्ष प्रदूषण तथा सबसे खतरनाक प्लास्टिक प्रदूषण से बचा कर रखना होगा। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा।

प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धूंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा

रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। जिससे पर्यावरण अत्यंत असुरक्षित हो गया, इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण प्रकृति का तापमान भी अत्यधिक बढ़ गया है, फल स्वरूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को हम बुरी तरह से झेल रहे हैं। हमें पेट्रोल की जगह गैस फ्यूल का उपयोग कर वातावरण को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वातावरण में उपस्थित अवांछित गैसीय पदार्थों के कारण अंधापन ,त्वचा रोग तथा फेफड़ों की बीमारी से होने वाले दमा रोग में बढ़ोतरी हुई है। विगत 2 वर्षों से कोविड-19 के संक्रमण में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को फेफड़ों में स्वच्छ ऑक्सीजन नहीं मिलने से लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त हुए, यह एक पर्यावरण असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण है ।रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन में भारी बमबारी तथा गोलीबारी से वातावरण को तहस-नहस कर दिया, वहां कई किलोमीटर क्षेत्र में शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोग मृत्यु की कगार पर पहुंच गए हैं एवं लाखों लोगों ने वहां से पलायन भी किया, यह सब पर्यावरण प्रदूषण के एकदम ताजा उदाहरण है जो मानवीय जीवन के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा भूकंप बाढ़ तथा औद्योगिक कचरे तथा विषाक्त कार्बनिक पदार्थों सहित अन्य उत्पादकों का जल स्रोतों में डाला जाना भी पर्यावरण प्रदूषण के लिए भारी खतरा बन गया है, इसी तरह बंदरगहों में रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ, तेल युक्त तरल पदार्थ को समुद्रों में बाहर जाना भी समुद्र में रह रहे जीव जंतुओं के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं। जल प्रदूषण से जल से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू पीलिया, पेचिश तथा उदर रोगों के लिए अत्यंत हानिकारक माना गया है। अन्य प्रदूषण में मृदा प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण आदि वातावरण को प्रदूषित करते पृथ्वी तथा मानव जाति के लिए काल बन चुके हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद पर्यावरण प्रदूषण को कम नहीं किया जा सका है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत की दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी है। और कोविड-19 के संक्रमण के दौरान यहां पर सबसे ज्यादा मौतें पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी हुई है। प्रदूषित वातावरण के कारण बच्चों तथा बुजुर्गो की जिंदगी को सबसे ज्यादा वैज्ञानिकों ने खतरा माना है और ईससे निजात पाने के लिए शुद्ध वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण को सुरक्षित ना रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अतः प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य सोने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी। और यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यदि हमें पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी तथा प्रकृति से हटाना एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखना है तो शासकीय प्रयासों के अलावा हर व्यक्ति को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर जोर देना होगा अन्यथा ओजोन परत के क्षरण के कारण मानव तथा जीव जंतु तथा प्रकृति के प्रति संकट गहराता जाएगा एवं हम पर्यावरण प्रदूषण के सामने हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

संजीव ठाकुर,

सामाजिक समरसता के पर्व पर हुड़दंग और हिंसा का ग्रहण!

समाज में बंधुत्व प्रेम सद्भाव समरसता के संदेश का रंगपर्व आखिर क्यों बन जाता है कलह वैमनस्यता खून खराबे का दिन? आप जानते हैं कि इस बार होली और रमजान का जुमा एक दिन होने की वजह से पूरे देश में होली पर हाई अलर्ट किया गया था। पुलिस व सुरक्षा बलों की चौकसी और नागरिकों के संयम की वजह से देश में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। फिर भी कम से कम चार राज्यों में होली पर हिंसा और झड़प की वारदातों को अंजाम दिया गया है। वहीं देश भर में नशा कर गाड़ी चलाने और हुड़दंग मचाने की सैकड़ों वारदातों में पचास लोग जान गंवा गए जबकि सैकड़ों की संख्या में लोग घायल अवस्था में अस्पतालों में इलाज के लिए लाए गए। अकेले उत्तर प्रदेश में 250 से अधिक सड़क दुर्घटना दर्ज की गई है जिसमें 430 लोग घायल हुए हैं। जबकि उत्तराखंड में हुड़दंग हिंसा की वारदातों में कुल 14 लोगों की मौत हो गई। भाजपा ने हिंसा के बाद राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदू त्योहारों पर ही ऐसी हिंसा क्यों होती है?

पश्चिम बंगाल के अलावा तीन और राज्यों बिहार छत्तीसगढ़ पंजाब में होली पर हिंसा हुई। बिहार के मुंगेर में ग्रामीणों के हमले में एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई। पटना में दो गुटों में होलिका दहन का विवाद होली के दिन पथराव तक पहुंच गया। पुलिस की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए। यहां फायरिंग की भी खबर है। झारखंड के गिरिडीह में होली के दिन दो गुटों में पथराव के बाद उपद्रवियों ने दुकानों और बाइक में आग लगा दी। इसके अलावा पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईट, पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। मुसलमानों कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं हिंदुओं का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है।

बेंगलुरु में नशे में धुत कुछ लोगों के बीच हुए झगड़े में तीन लोगों की मौत की खबर आ रही है. मौके से पुलिस ने तीन लोगों के शवों को बरामद किया.

पुलिस टीम को पहला शव अपार्टमेंट के रास्ते में मिला, जबकि दूसरा कमरे के अंदर और तीसरा अपार्टमेंट से बाहर मिला. पुलिस ने दो मृतकों की पहचान 22 वर्षीय अनसू और 23 वर्षीय राधे श्याम के रूप में की है. जबकि तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है.

आप को बता दें पश्चिम बंगाल के बीरभूम में दो समूहों के बीच हिंसक झड़प की खबर है राज्य सरकार ने इलाके में इंटरनेट सेवाओं को सस्पेंड कर दिया. क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में सुरक्षाबलों को तैनात भी

किया गया है. पुलिस का कहना है कि घटना के बाद 20 से ज़्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिंसक वारदात के बाद पश्चिम बंगाल के गृह विभाग ने इंटरनेट सस्पेंड करने का आदेश जारी किया. पुलिस का कहना है कि स्थिति पर काबू पा लिया गया है.

झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित घोड़थंबा में होली 14 मार्च 2025 के दिन जुलूस के दौरान हिंदुओं पर हमला हुआ। ये हमला मस्जिद वाली गली में हुआ। इस हिंसा के दौरान एक खास समुदाय के घरों से पत्थर चले। मस्जिद वाली गली में हिंदुओं के जुलूस को निशाना बनाया गया , पुलिस की गाड़ियों को निशाना बनाया गया । कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने प्रशासन पर हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

एफआईआर के अनुसार, 14 मार्च 2025 की शाम 15-20 लोगों की होली की टोली मस्जिद गली से गुजरना चाहती थी, लेकिन नमाज का समय होने की वजह से उन्हें रोका गया। टोली का कहना था कि वे हर साल इसी रास्ते से जाते हैं। समझाने के बावजूद टोली गली में आगे बढ़ गई। इसके बाद कथित तौर पर समुदाय विशेष के लोगों पेट्रोल बम, बोतल, ईट और पत्थरों से हमला शुरू कर दिया। बाजार चौक के पास पेट्रोल बम फेंककर कई दुकानों, बाइकों और गाड़ियों में आग लगा दी गई।जानकारी के अनुसार प्राथमिकी में इस बात का साफ-साफ जिक्र है कि समुदाय विशेष ने मंदिर पर हमला किया। पत्थर फेंके और पुलिस पहुँची तो उसकी गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। इस हिंसा में चार पुलिसकर्मी घायल हुए।

दिल्ली के द्वारका में होली का जश्न हिंसा में बदल गया. गोयला डेरी स्थित छठ घाट पार्क में होली का जश्न मनाया जा रहा था. इस दौरान हुआ छोटा विवाद हाथापाई में बदल गया. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, राजू कुमार (35) अपने दोस्त राजेश से मिलने के लिए टैक्सी से पार्क गया था. उत्सव के दौरान, होली का कुछ रंग गलती से एक लड़के पर गिर गया, जिससे दोनों में तीखी बहस हो गई कुछ देर बाद, लड़के ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर राजू कुमार और राजेश पर हमला कर दिया. मारपीट में हमलावरों ने राजू कुमार की टैक्सी में भी तोड़फोड़ की और उसके शीशे तोड़ दिए।

पंजाब के लुधियाना में दो समुदायों के बीच ईट-पत्थर और बोतलें चलीं। झड़प में 11 लोग घायल हुए हैं। विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि नमाज अदा करते वक्त पथराव किया गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि पहले मस्जिद की तरफ ईट फेंकी गई। कई वाहनों में भी तोड़फोड़ हुई है।

पश्चिम बंगाल में भी होली पर्व पर हिंसा हुई है। भाजपा ने नंदीग्राम में मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया है। भाजपा आइटी सेल ने भी तस्वीरें पोस्ट कर आरोप लगाया कि बरुईपुर, जादवपुर और मुर्शिदाबाद समेत पूरे प्रदेश में त्योहार पर शरारत करने की घटनाएं सामने आई हैं।

पटना के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के सहनौरा गांव में होलिका दहन को लेकर दो पक्षों में शुक्रवार को झड़प हो गई। एक पक्ष के ग्रामीण ने सड़क पर होलिका दहन किया, जिसका दूसरे पक्ष ने विरोध किया।रात से ही दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। धुलेंडी की दोपहर करीब 1 बजे स्थिति बिगड़ गई और दोनों पक्षों में जमकर पत्थरबाजी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को भी आक्रोशित लोगों ने खदेड़ दिया। पुलिस की गाड़ी पर भी पत्थर फेंके गए।

देश भर में होली रंग के दौरान व्यापक एहतियात के बावजूद की स्थानों पर सांप्रदायिक झगड़े छिटपुट हिंसा एक सहायक उपनिरीक्षक की हत्या समुदायों के बीच पनपी घृणा विद्वेष को बयान करती है। क्या जरूरत है कि मस्जिद के सामने ही हुड़दंग किया जाए और पहले से ही पथराव के लिए एक समुदाय पत्थर और पैट्रोल की तैयारी रखे? दोषी दोनों हैं।आजादी के 78 साल बाद भी फिरकापरस्ती और घृणा का यह षडयंत्र खत्म होना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि रंगों की होली को खून की होली मे तब्दील करने वाले दंगाइयों असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो और सद्भाव के रंगों को बदरंग होने से बचाया जा सके।

मनोज कुमार अग्रवाल

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त ख़बरें

मस्जिद-ए काशिफुल उलूम में तराबीह कुरान पाक हुई मुकम्मल

बिसवां, सीतापुर। ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेनीपुर स्थित मस्जिद-ए-कासिमुल उलूम में तरावीह में कुरआन पाक मुकम्मल हुई। मंगरहिया बाजार निवासी सिराज अहमद पत्रकार के सुपुत्र कारी इमादुद्दीन ने तकरीबन रोज़ाना दो पारे पढ़ाए। इस दौरान मस्जिद कमेटी ने क़ारी इमादुद्दीन को मुबारकबाद पेश करते हुए उपहार दिए। अंत में अपने मुल्क की तरक्की व खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई और शीरीनी तकसीम की गई। नमाजियों ने कारी इमादुद्दीन से दुआओं की दरख्वास्त की और पानी पर दम कराया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती में रिश्वतखोरी का बड़ा मामला उजागर

सिधौली, सीतापुर। आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। अर्चना पत्नी चंद्रशेखर, निवासी मोहल्ला गांधी नगर, सिधौली ने सीडीपीओ कार्यालय, सिधौली पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी, सीतापुर को एक लिखित शिकायत प्रेषित की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन किया था और नियमानुसार दस्तावेजों की जांच के लिए उन्हें सीडीपीओ कार्यालय बुलाया गया। लेकिन जब वे वहां पहुंचीं, तो उनसे ?3,00,000 (तीन लाख रुपए) की रिश्वत मांगी गई। कार्यालय में मौजूद एक बाबू ने स्पष्ट रूप से कहा कि जो निर्धारित राशि देगा, उसी का चयन किया जाएगा शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके पति की वार्षिक आय मात्र ?42,000 है, जिससे इतनी बड़ी राशि देना उनके लिए संभव नहीं है। उनकी शैक्षणिक योग्यता और मेरिट सूची में उच्च स्थान होने के बावजूद रिश्वत न देने के कारण उन्हें चयन से वंचित किया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से भ्रष्टाचार और अनियमितता फैली हुई है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी, सीतापुर से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की अपील की है। साथ ही, उन्होंने आग्रह किया कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाकर योग्य अभ्यर्थियों को न्याय दिलाया जाए। यह मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और अभ्यर्थियों में भारी असंतोष देखा जा रहा है। लोग प्रशासन से इस विषय पर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो बड़े पैमाने पर आंदोलन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

खाली भवन के पेड़ो में लगी आग दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

लहरपुर सीतापुर लहरपुर क्षेत्र में केशरी गंज तिराहे के पास एक खाली पड़े भवन में

आग लगने की घटना सामने आई है। हरगांव गन्ना समिति के जर्जर भवन में स्थित एक पेड़ में मंगलवार को अचानक आग लग गई भवन परिसर में स्थानीय लोगों द्वारा कूड़ा फेंका जाता था आग लगने से पेड़ के साथ-साथ वहां पड़े कूड़े और सूखे पत्तों में भी आग फैल गई देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया जब वे असफल रहे तो दमकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया अग्निशमन अधिकारी हंस कुमार सिंह ने बताया कि घटना में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है केवल एक सूखा पेड़ और परिसर में पड़ा कूड़ा जला है उन्होंने कहा कि समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया!!

डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, चकबंदी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समय से कार्य पूरा करे

सीतापुर जनपद सीतापुर में चकबंदी कार्यों को लेकर कलेक्ट्रेट में महत्वपूर्ण बैठक हुई जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने इसकी अध्यक्षता की। उन्होंने चकबंदी कार्यों में तेजी लाने और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए डीएम ने स्पष्ट किया कि चकबंदी में किसी तरह की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी नक्शा और चक बनाते समय सभी किसानों के हितों का ध्यान रखा जाए। चकबंदी निदेशालय के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने को कहा जिन गांवों में चकबंदी कार्य चल रहे हैं वहां प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए चकबंदी न्यायालय में लंबित वादों को समय पर निपटाया जाए पुराने वादों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए जहां कार्य की प्रगति धीमी है। वहां अतिरिक्त टीमें लगाकर तेजी लाई जाए खतौनी सत्यापन के कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं नए गांवों में चकबंदी प्रक्रिया शुरू करने के लिए नियमों का पालन करते हुए तेजी से काम शुरू किया जाए

सूचना

मेरा नाम अदिती दूबे है, जो कि त्रुटिवश आधार कार्ड में सृष्टि हो गया है, जबकि मेरे सभी मूल कागजातों में अदिती दूबे दर्ज है, मुझे अदिती दूबे पुत्री धर्मेंद्र दूबे निवासी राजापुर, पोस्ट राजूपुर, कुड़वार जिला सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश के नाम से जाना जाए।

मोहनलालगंज लेसा की गर्मी की दस्तक ने ही खोली पोल

.....जेई ने उपभोक्ताओं से अंधेरे में रात गुजारने की बात कहकर पल्ला झाड़ा

अधिकारियों की फटकार पर 10 घंटे बाद वैकल्पिक व्यवस्था से लाइट की हुई शुरूआत

स्वतंत्र प्रभात

विनीत कुमार मिश्रा

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे का सोमवार दोपहर एक ट्रांसफार्मर जल गया।देर शाम तक ट्रांसफार्मर बदलने का उपभोक्ता इंतजार करते रहे।और देर रात इलाके के जेई से संपर्क किया तो जेई ने ट्रांसफार्मर बदलने और वैकल्पिक व्यवस्था से बिजली शुरू करने के लिए साफ मनाकर अंधेरे में रहने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया।बाद में उपभोक्ताओं ने एक्सिएन से गुहार लगाई।तब जाकर फटकार पर कमर्चारियों ने वैकल्पिक व्यवस्था कर देर रात लाइट शुरू कराई और मंगलवार देर शाम तक ट्रांसफार्मर बदला जा सका। मोहनलालगंज कस्बे में एसडीएम आवास के निकट का सोमवार दोपहर को ट्रांसफार्मर जल गया।जिसके चलते एसडीएम आवास सहित कालोनीवासियों की बिजली बंद हो गई।शाम तक उपभोक्ता ट्रांसफार्मर बदलने का इंतजार करते रहे।घरों के इनवर्टर बैठने पर उपभोक्ताओं ने इलाके के जेई सतेंद्र कुमार से संपर्क किया तो जेई ने कहा आज ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सकता रात अंधेरे में ही काटनी पड़ेगी।इस पर कुछ उपभोक्ताओं ने एक्सियन से संपर्क कर पूरे मामले से अवगत कराया तो एक्सिएन ने वैकल्पिक व्यवस्था कर बिजली शुरू कराए जाने का आश्वासन दिया। मंगलवार एक्सियन श्रवण कुमार सिंह ने बताया ट्रांसफार्मर आ रहा शाम तक बदल दिया जाएगा।

फटकार पर देर रात पहुंचे कर्मचारी

बिजली उपभोक्ताओं ने बताया कि सोमवार देर शाम जब जेई से ट्रांसफार्मर बदले जाने की बात पूछी गई तो जेई ने ट्रांसफार्मर बदले जाने से साफ मना कर दिया।इस पर उपभोक्ताओं ने वैकल्पिक व्यवस्था से लाइट शुरू करने को कहा तो जेई ने कह दिया कि वैकल्पिक व्यवस्था से लाइट नहीं शुरू की जा सकती।इस पर उपभोक्ताओं ने जब एक्सिएन से शिकायत की तो फटकार पर मोहनलालगंज सब स्टेशन कर्मचारी मौके पर पहुंचे और लाइन देखकर कालोनी सहित एसडीएम आवास की लाइट दूसरी लाइन से जोड़कर देर रात शुरू की तब जाकर कालोनी के लोगों ने राहत की सांस ली।

कार्यालय ग्राम पंचायत लैबुडवा भोजपुर विकास खंड गैसड़ी जनपद बलरामपुर

निविदा/कोटेशन

मनरेगा योजनांतर्गत ग्राम पंचायत लैबुडवा भोजपुर में मेन रोड से चिनगुद के घर होते हुए राम कुमार के घर तक इंटरलॉकिंग निमार्ण कार्य, नन्कू के घर से विकास सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री प्रथम श्रेणी ईट,ईट गिट्टी,पत्थर गिट्टी,सीमेंट,सरिया,बालू,मोरंग, इत्यादि।

इच्छुक निविदा कोटेशन पंजीकृत टैक्स प्रदाता फर्म आमंत्रित की जाती है।दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 तक निविदा पत्र जमा की जा सकती है।ये कोटेशन 23 मार्च 2025 शाम को ग्राम पंचायत में तकनीकी सहायक निर्माण कार्य समिति के उपस्थित में खोली जाएगी।

निविदा कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत में सुरक्षित होगा। क्रय की जाने वाली सामग्री ग्राम पंचायत के स्वीकृति प्राकलन के अनुसार पृथक होगी। निविदा कोटेशन वित्तीय वर्ष 2025-26 तक कराए जाने वाले दर पर प्रभावी रहेगा।

रुक्मणि
ग्राम प्रधान लैबुडवा
भोजपुर
विकास खंड गैसड़ी
बलरामपुर

राजेश कुमार सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
लैबुडवा भोजपुर
विकास खंड गैसड़ी
जनपद बलरामपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत गौरैया, वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना / पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवा वित्त आयोग (केन्द्रीय वित्त आयोग), मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), एवं अन्य शासकीय योजनाओं से ग्राम पंचायत दवारा कराये जाने वाले कार्यो के लिए निम्नलिखित सामग्री के आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से आवेदन शुल्क 500.00 रूपया जमा कर आवेदक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर दिनांक 21/03/2025 से दिनांक 24/03/2025 को सुबह 10:00 से 05:00 बजे तक बन्द लिफाफे में डाल सकते है, जो दिनांक 25/03/2025 को अपराहन 01:00 बजे क्रय समिति/निर्माण कार्य समिति के सदस्यों के समक्ष ग्रा.पं. कार्यालय में स्वीकृति हेतु खोली जायेगी। आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण निम्नवत है-

सामग्री का विवरण- 1. ईट प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. इण्टरलाकिंग प्रति हजार, 3. लाल बालू मोरंग, महीन बालू प्रति घनमी., 4. इंट गिट्टी 25 एम.ए. प्रति घन मी., 5. एस्बेस्ट्रस सीट, पैन सीट, दरवाजा प्रति नग, 6. टाइल्स, कोटा स्टोन प्रति वर्ग मी., 7. स्टोन ब्लाडर प्रति घन मी., 8. NP3 ह्यूम पाइप 250, 300, 350, 450, 600m m प्रति नग मी., 9. सोलर लाइट, बेटी, पैनल, स्ट्रीटलाइट 252, 452, 352 प्रति नग, 10. हैण्डपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री प्रति नग, 11. सीमेंट प्रति बोरी व प्रति घन मी., 12. सरिया प्रति कुन्तल, 13. पटीया 1 बोर्ड प्रति नग, 14. फर्नीचर क्रय/R.O. वाटर कूलर, प्रति नग, 15. लोहा, एन्गल प्रति किलो ग्राम, 16. PVC पैनल कार्य प्रति वर्ग मी., 17. कार्यालय स्टेशनरी, 18. रंगाई, पुताई इत्यादी सम्बंधित सामग्री, 19. प्लम्बरिंग सामग्री (CPVC) नल, समरसेबुल प्रति नग, 20. SBM-G सम्बंधित सामग्री प्रति नग, 21. PVC पाईप प्रति मीटर, एवं अन्य !

ग्रा.पं. कार्यो की सुची तथा प्रतिबन्ध एवं शर्ते ग्रा.पं. कार्यालय पर उपलब्ध है। निविदादाता प्रत्येक कार्य / सामग्री की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्रत है।

प्रधान
अश्वनी कुमार मिश्रा
ग्राम पंचायत गौरैया
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

सचिव
श्री उमेश कुमार यादव
ग्राम पंचायत गौरैया
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

कार्यालय ग्राम पंचायत रामगढ कलां, वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना / पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवा वित्त आयोग (केन्द्रीय वित्त आयोग), मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), एवं अन्य शासकीय योजनाओं से ग्राम पंचायत दवारा कराये जाने वाले कार्यो के लिए निम्नलिखित सामग्री के आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से आवेदन शुल्क 500.00 रूपया जमा कर आवेदक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर दिनांक 21/03/2025 से दिनांक 24/03/2025 को सुबह 10:00 से 05:00 बजे तक बन्द लिफाफे में डाल सकते है, जो दिनांक 26/03/2025 को अपराहन 01:00 बजे क्रय समिति/निर्माण कार्य समिति के सदस्यों के समक्ष ग्रा.पं. कार्यालय में स्वीकृति हेतु खोली जायेगी। आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण निम्नवत है-

सामग्री का विवरण -

1. ईट प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. इण्टरलाकिंग प्रति हजार, 3. लाल बालू मोरंग, महीन बालू प्रति घनमी., 4. इंट गिट्टी 25 एम.ए. प्रति घन मी., 5. एस्बेस्ट्रस सीट, पैन सीट, दरवाजा प्रति नग, 6. टाइल्स, कोटा स्टोन प्रति वर्ग मी., 7. स्टोन ब्लाडर प्रति घन मी., 8. NP3 ह्यूम पाइप 250, 300, 350, 450, 600m m प्रति नग मी., 9. सोलर लाइट, बेटी, पैनल, स्ट्रीटलाइट 252, 452, 352 प्रति नग, 10. हैण्डपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री प्रति नग, 11. सीमेंट प्रति बोरी व प्रति घन मी., 12. सरिया प्रति कुन्तल, 13. पटीया 1 बोर्ड प्रति नग, 14. फर्नीचर क्रय/R.O. वाटर कूलर, प्रति नग, 15. लोहा, एन्गल प्रति किलो ग्राम, 16. PVC पैनल कार्य प्रति वर्ग मी., 17. कार्यालय स्टेशनरी, 18. रंगाई, पुताई इत्यादी सम्बंधित सामग्री, 19. प्लम्बरिंग सामग्री (CPVC) नल, समरसेबुल प्रति नग, 20. SBM-G सम्बंधित सामग्री प्रति नग, 21. PVC पाईप प्रति मीटर, एवं अन्य !

ग्रा.पं. कार्यो की सुची तथा प्रतिबन्ध एवं शर्ते ग्रा.पं. कार्यालय पर उपलब्ध है। निविदादाता प्रत्येक कार्य / सामग्री की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्रत है।

प्रधान
श्री हरिओम सिंह
ग्राम पंचायत रामगढ कलां
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

सचिव
श्री उमेश कुमार यादव
ग्राम पंचायत रामगढ़ कला
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

कार्यालय ग्राम पंचायत- लालपुर, वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना / पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवा वित्त आयोग (केन्द्रीय वित्त आयोग), मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), एवं अन्य शासकीय योजनाओं से ग्राम पंचायत दवारा कराये जाने वाले कार्यो के लिए निम्नलिखित सामग्री के आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से आवेदन शुल्क 500.00 रूपया जमा कर आवेदक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर दिनांक 21/03/2025 से दिनांक 24/03/2025 को सुबह 10:00 से 05:00 बजे तक बन्द लिफाफे में डाल सकते है, जो दिनांक 26/03/2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे क्रय समिति/निर्माण कार्य समिति के सदस्यों के समक्ष ग्रा.पं. कार्यालय में स्वीकृति हेतु खोली जायेगी। आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण निम्नवत है-

सामग्री का विवरण-

1. ईट प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. इण्टरलाकिंग प्रति हजार, 3. लाल बालू मोरंग, महीन बालू प्रति घनमी., 4. इंट गिट्टी 25 एम.ए. प्रति घन मी., 5. एस्बेस्ट्रस सीट, पैन सीट, दरवाजा प्रति नग, 6. टाइल्स, कोटा स्टोन प्रति वर्ग मी., 7. स्टोन ब्लाडर प्रति घन मी., 8. NP3 ह्यूम पाइप 250, 300, 350, 450, 600m m प्रति नग मी., 9. सोलर लाइट, बेटी, पैनल, स्ट्रीटलाइट 252, 452, 352 प्रति नग, 10. हैण्डपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री प्रति नग, 11. सीमेंट प्रति बोरी व प्रति घन मी., 12. सरिया प्रति कुन्तल, 13. पटीया 1 बोर्ड प्रति नग, 14. फर्नीचर क्रय/R.O. वाटर कूलर, प्रति नग, 15. लोहा, एन्गल प्रति किलो ग्राम, 16. PVC पैनल कार्य प्रति वर्ग मी., 17. कार्यालय स्टेशनरी, 18. रंगाई, पुताई इत्यादी सम्बंधित सामग्री, 19. प्लम्बरिंग सामग्री (CPVC) नल, समरसेबुल प्रति नग, 20. SBM-G सम्बंधित सामग्री प्रति नग, 21. PVC पाईप प्रति मीटर, एवं अन्य !

ग्रा.पं. कार्यो की सुची तथा प्रतिबन्ध एवं शर्ते ग्रा.पं. कार्यालय पर उपलब्ध है। निविदादाता प्रत्येक कार्य / सामग्री की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्रत है।

प्रधान
श्री अजय यादव
ग्राम पंचायत लालपुर
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

सचिव
श्री उमेश कुमार यादव
ग्राम पंचायत लालपुर
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला पच्चीस वर्षीय युवक का शव

.....हाथ की मेहदी छूटी नहीं, मिट गया सिंदूर

स्वतंत्र प्रभात

माल, लखनऊ। बाजारगांव गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में पच्चीस वर्षीय युवक का शव लटका मिला सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आपको बता दें कि नव विवाहिता के हाथ की मेहदी अभी छूटी नहीं थी कि माथे का सिंदूर मिट गया। नवविवाहिता ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हाथ की मेंहदी छूटने से पहले ही मांग का सिंदूर मिट जाएगा।दर्शल पूरा मामला यह है कि माल थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजारगांव निवासी पच्चीस वर्षीय श्रवण पुत्र चंद्रपाल पासी जो कि सुबह लगभग नौ बजे घर से निकला था।जिसका शव बाग में गमछे के सहारे लटकता मिला ग्रामीणों ने यह मंजर देख कर सूचना परिजनों को दी।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक की शादी बीते छः मार्च को अकबरपुर गांव से हुई थी। इस संबंध में माल

थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद द्विवेदी ने बताया कि सबको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत सीखड़, वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य योजना / पंचम राज्य वित्त आयोग एवं पन्द्रहवा वित्त आयोग (केन्द्रीय वित्त आयोग), मनरेगा योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), गौ पोषण, एवं अन्य शासकीय योजनाओं से ग्राम पंचायत दद्वारा कराये जाने वाले कार्यो के लिए निम्नलिखित सामग्री के आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता/फर्म सामग्री की आपूर्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से आवेदन शुल्क 500.00 रूपया जमा कर आवेदक निविदा प्रपत्र प्राप्त कर दिनांक 21/03/2025 से दिनांक 24/03/2025 को सुबह 10:00 से 05:00 बजे तक बन्द लिफाफे में डाल सकते है, जो दिनांक 25/03/2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे क्रय समिति/निर्माण कार्य समिति के सदस्यों के समक्ष ग्रा.पं. कार्यालय में स्वीकृति हेतु खोली जायेगी। आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण निम्नवत है-

सामग्री का विवरण-

1. ईट प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. इण्टरलाकिंग प्रति हजार, 3. लाल बालू मोरंग, महीन बालू प्रति घनमी., 4. इंट गिट्टी 25 एम.ए. प्रति घन मी., 5. एस्बेस्ट्स सीट, पैन सीट, दरवाजा प्रति नग, 6. टाइल्स, कोटा स्टोन प्रति वर्ग मी., 7. स्टोन ब्लाडर प्रति घन मी., 8. NP3 ह्यूम पाइप 250, 300, 350, 450, 600m m प्रति नग मी., 9. सोलर लाइट, बेट्री, पैनल, स्ट्रीटलाइट 252, 452, 352 प्रति नग, 10. हैण्डपम्प मरम्मत एवं रिबोर सामग्री प्रति नग, 11. सीमेंट प्रति बोरी व प्रति घन मी., 12. सरिया प्रति कुन्तल, 13. पटीया 1 बोर्ड प्रति नग, 14. फर्नीचर क्रय/R.O. वाटर कूलर, प्रति नग, 15. लोहा, एन्गल प्रति किलो ग्राम, 16. PVC पैनल कार्य प्रति वर्ग मी., 17. कार्यालय स्टेशनरी, 18. रंगाई, पुताई इत्यादी सम्बंधित सामग्री, 19. प्लम्बरिंग सामग्री (CPVC) नल, समरसेबुल प्रति नग, 20. SBM-G सम्बंधित सामग्री प्रति नग, 21. PVC पाईप प्रति मीटर, एवं अन्य !

ग्रा.पं. कार्यो की सुची तथा प्रतिबन्ध एवं शर्ते ग्रा.पं. कार्यालय पर उपलब्ध है। निविदादाता प्रत्येक कार्य / सामग्री की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्रत है।

प्रधान
श्री मति धर्मावती देवी
ग्राम पंचायत सीखड़
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

सचिव
श्री उमेश कुमार यादव
ग्राम पंचायत सीखड
वि.खं. सीखड़, मीरजापुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बरहुआं, विकास खण्ड-दरियाबाद, बाराबंकी

पत्रांक मेमो / मनरेगा/ ग्रा0 प्रा0 बरहुआं / सामग्री - आपूर्ति /निविदा -प्रकाश /दरि0 2024-25 **19/03/25**

अल्पकालीन निविदा सूचना

विकास खण्ड दरियाबाद के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बरहुआं बाराबंकी में मनरेगा योजनान्तर्गत जनहित में निम्नलिखित कार्य कराया जाना है जिसके लिए संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार सामग्री आपूर्ति हेतु जीएसटी पंजीकृत फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से स्वीकृत दरो के अधीन निम्नलिखित शतों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सामान आपूर्ति की निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से दिनांक 20/03/25 से 03/04/2025...तक किसी भी कार्यदिवस मे निर्धारित धनराशि जमा करके प्राप्त किये जा सकते है। मोहरबन्द निविदायें दिनांक 04/04/2025 को प्रातः 10 से 02 बजे अपरान्ह तक निविदा बाक्स मे डाली जायेगी तथा दिनांक 04/04/2025 को ही सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय/पंचायत भवन में उपस्थित निविदाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत की निविदा समिति के द्वारा समय 3:00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की मात्रा	सामग्री की जीएसटी सहित लागत (रू0 लाख मे)	आपूर्ति ली जाने सामग्री का विवरण	धरोहर राशि (रू0 मे)	निविदा मूल्य	अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बरहुआं	डामर रोड से बहादुर के घर तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य 3148012009/RC/9584862558 23651422	245 X 2.50	9,98,839	गिटटी, मौरंग, सीमेन्ट, बालू, ईट, इण्टर लांकिग ईट, पत्थर मिटटी, ईट गिटटी इत्यादि	2प्रतिशत	500	3 माह
2	बरहुआं	फहीम के दरवाजे से इण्टर लांकिग तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य 3148012009/RC/9584862558 23627509	240x 2.00	9,93,963	गिटटी, मौरंग, सीमेन्ट, बालू, ईट, इण्टर लांकिग ईट, पत्थर मिटटी, ईट गिटटी इत्यादि	2प्रतिशत	500	3 माह
3	बरहुआं	रामहेत के गुमटी से तालाब तक ढक्कन सहित नाली निर्माण 3148012009/FP/9584862558 23586217	200x1	7,46,438	गिटटी, मौरंग, सीमेन्ट, बालू, ईट, इण्टर लांकिग ईट, पत्थर मिटटी, ईट गिटटी इत्यादि	2प्रतिशत	500	3 माह

1. धरोहर राशि का राष्ट्रीकृत बैंक/पोस्ट आफिस द्वारा निर्गत डिमाण्ड ड्राफ्ट/पे-आर्डर्स/प्रतिभूति प्रमाण जो पंचायत बरहुआं विकास खण्ड दरियाबाद के नाम बन्धक करते हुए निविदिद्य फार्म के साथ संलग्न करना होगा।
2. आपूर्तिकर्ता को संलग्न बिल आफ क्वान्टिटी के अनुसार उपरोक्त वर्णित सामग्री की आपूर्ति सम्बन्धित सचिव/ प्रधान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता के द्वारा बताये गये निर्दिष्ट समय स्थान पर सामग्री आपूर्ति करना होगा।
3. आपूर्ति की गयी सामग्री का मनरेगा योजनान्तर्गत धनराशि उपलब्ध होने पर ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी, विलम्ब आदि के लिए कार्यीदायी संस्था उत्तरदायी नहीं होगी।
4. जी0एस0टी0 पंजीकृत बिल ही मान्य होगा।
5. विभिन्न प्रकार के शासकीय करों के भुगतान का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा।
6. आपूर्ति की गयी समाग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप करने के उत्तरवायित्व आपूर्तिकर्ता होगा।
7. आपूर्ति की गयी सामग्री के भाडा/किराये का अलग से भुगतान देय नहीं होगा।
8. निविदा स्वीकृत होने पर सम्बन्धित फर्म मालिक ठेकेदार/आपूर्तिकर्ताओं से अनुबन्ध निष्पादित हो जाने पर पंचायत बरहुआं मे उपरोक्तानुसार/प्राक्कलित/स्वीकृत सामग्री सम्बन्धित सचिव/प्रधान/तकनीकी सहायक अभियन्ता के निर्देशानुसार उनके द्वारा निर्दिष्ट समय/स्थान पर सामग्री आपूर्ति करने पर विफल रहने पर धरोहर जब्त करने का ग्राम पंचायत का होगा।
9. सामग्री आपूर्ति का बिना कराण बताये अनुबन्ध निरस्त करने का अधिकार सचिव/प्रधान/निविदा समिति बरहुआं में निहित होगा।

तकनीकी सहायक
ग्राम पंचायत बरहुआं
दरियाबाद, बाराबंकी

सचिव
ग्राम पंचायत बरहुआं
दरियाबाद, बाराबंकी

प्रधान
ग्राम पंचायत बरहुआं
दरियाबाद, बाराबंकी

संक्षिप्त ख़बरें

अज्ञात चौपहिया वाहन की टक्कर में तीन महिलाएं घायल, इलाज के दौरान एक की मृत्यु

कछौना, हरदोई। सोमवार की सांय रिश्तेदारी में आई दो महिलाओं का अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार जनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वर्तमान समय में लखनऊ पलिया एनएच731 का निर्माण कार्य अंतिम पड़ाव पर है। बेहतरीन सड़क हाईवे होने के कारण वाहनों की गति में इजाफा हो गया है, लेकिन लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी का अभाव व स्वभाव में परिवर्तन न होने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में इजाफ़ा हो गया है। थोड़ी सी अनदेखी व चूक में व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाता है। सोमवार की रात ग्राम पुरवा मजरा काकूमऊ थाना टड़ियावां की तीन महिलाएं ग्राम भीरीघाट में रिश्तेदारी में बीमारी से पीड़ित मरीज रिश्तेदार को देखने आई थी। यह लोग सड़क किनारे खड़ी थी, इसी दौरान हरदोई की तरफ से आ रही तेज गति से चौपाइयां वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें शिवदेवी पत्नी शिवकुमार व शिवरानी पत्नी शेखर सहित तीन महिलाओं को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर घायलों को कछौना पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर हरदोई रिफर हो गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान शिवरानी पत्नी शेखर की मृत्यु हो गई। इस घटना से परिवार में के ऊपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है।

19 मार्च को होगा किसान दिवस का आयोजन

हरदोई उपनिदेशक कृषि डॉ0 नन्द किशोर ने बताया है कि ने बताया है कि प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन कराया जाना शासन द्वारा प्राविधानित है। इस क्रम में माह मार्च 2025 में आयोजित किये जाने वाले किसान दिवस का आयोजन 19 मार्च 2025 को 1.00 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार विकास भवन हरदोई में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया जायेगा।

सरसों फसल की नीलामी 20 मार्च को- अनुपम तिवारी

हरदोई, नायब तहसीलदार सुरसा अनुपम तिवारी ने अवगत कराया है कि ग्राम कमरौली परगना बंगर में जंगल श्रेणी की भूमि पर बोई गयी सरसों फसल की नीलामी 20 मार्च 2025 को अपरान्ह 02 बजे तहसील सदर के सभागार में की जायेगी। उन्होने कहा है कि सरसों फसल लेने के इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी बोली में प्रतिभाग कर सकते है।

सरकारी हैं आम नहीं, चढावा नहीं तो काम नहीं!

मथुरा। जब तक बढ़ावा नहीं तब तक कोई काम नहीं। सरकारी महकमों में यह अघोषित नियमावली है जिसका कर्मचारी अक्षरशः पालन कर रहे हैं। यह नियमावली उन अज्ञात कर्मचारियों के लिए वरदान साबित हो रही है जिनका कोई लेखा जोखा विभाग के पास नहीं है। नहीं वह किसी कृत्य के लिए जिम्मेदार हैं और नहीं बाध्य। जबकि वह विभागों में उन पटलों पर बैठे हैं जिनके बिना न जनता का और नहीं विभाग का काम चल सकता है। जब यह घोषित कर्मचारी नहीं हैं तो इन्हें अपनी पगार का भी खुद ही जुगाड़ करना होता है। अगर साहब नाखुश हैं तो अपने साथ ही साहब के लिए भी कुछ निकालना ही पडेगा। हालांकि जो घोषित कर्मचारी हैं वह भी खुले आम घोषणा कर के काम करने के पैसे मांग लेते हैं। इन हरकतों की शिकायतें लगातार उच्चाधिकारियों तक पहुंच रही हैं। महावन तहसील में कार्यरत ऐसे ही एक कर्मचारी की शिकायत पीड़ित ने एसडीएम से की है। एसडीएम ने पीड़ित की शिकायत पर संज्ञान लिया है। यह शिकायत महावन तहसील में कार्यरत एक लेखपाल के साथ लगे एक अज्ञात कर्मचारी की है। विकास पुत्र भूरा निवासी गांव नगला पोला ने एसडीएम के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई है कि कर्मचारी द्वारा खसरा बनाने के लिए उससे 600 रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। पैसे मांगने और न देने पर काम न करने की बात करते कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कम रुपये देने की बात पर कर्मचारी किसान को फटकार लगा कर पूरी धनराशि लेने की जिद करता दिखाई दे रहा है। इसी तरह की शिकायत लेकर मंगलवार को एक पीडित एसएसपी कार्यालय पहुंचा और एक लिखित शिकायती पत्र दिया। नगेन्द्र पुत्र जगवीर सिंह निवासी बैकुंड बिहार ने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि एक नामजद व्यक्ति ने उसका फोन चुरा लिया है। जब वह इसकी शिकायत लेकर थाना हाइवे की मंडी चौकी पहुंचा तो चौकी में पुलिसकर्मियों द्वारा साफ कहा गया कि जब तक चढावा नहीं तब तक काम नहीं। पुलिस के पास शिकायत लेकर जाने की जानकारी उस व्यक्ति के परिजनों को भी हो गई जिसने उसका महंगा मोबाइल लिया है।

रामकृष्णनगर विधायक विजय मालाकार ने दूल्लभछड़ा में सीवीपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नए बिल्डिंग निर्माण की आधारशिला रखी

स्वतंत्र प्रभात

असम श्रीभूमि (करीमगंज)। असम श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर के लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार ने 2019 में रामकृष्णनगर विधानसभा के दूल्लभछड़ा सीवीपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दयनीय स्थिति को सुधारने का वादा किया था वर्तमान विधायक विजय मालाकार ने इस वादा को पूरी तरह से निभा रहे हैं और स्कूल में विकास का काम चल रहा है। श्रीभूमि जिले के दूल्लभछड़ा में सीवीपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के नए कमरे की आधारशिला गत 17 मार्च (सोमवार) को 6.21.98 करोड़ रुपये की लागत से रखी गई। इस बीच, विधायक की व्यस्तता के कारण, उन्हें स्कूल में परीक्षा के दौरान आधारशिला रखनी पड़ी। परिणामस्वरूप, स्कूल प्राधिकरण बैठने के लिए स्थान प्रदान करने में असफल रहे। इस बीच, दूर-दूर से पुरुष और महिलाएं स्थल पर एकत्र हुए ताकि वे विधायक विजय मलाकर के मूल्यवान भाषण को सुन सकें, क्योंकि वही जो कहते हैं एक शब्दों में वही करते हैं। उन्होंने सभा में कहा कि विधायक का

दायित्व लेने के 6 साल भीतर उन्हें कोरोना महामारी का सामना करना पड़ा इसी के कारण 18 महीने तक किसी भी विकास कार्य क्षेत्र में नहीं किया गया। 2 साल यूं ही गुजर गया लगभग इन 4 साल क्षेत्र में काम करने का मौका मिला और रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास की धारा को निरंतर प्रयास करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने और भी कहा कि अनिपुर तिमुखा से पाकड़ीबाबा मंदिर तक का लोक निर्माण के तहत सड़क असम माला में शामिल किया गया था और इसका कार्य कुछ महीनों में शुरू होगा और दूल्लभछड़ा के विकास के लिए भूमि की कमी के कारण ऑडिटोरियम हॉल अन्य विकास योजना के तेहत ऑफिस प्रदान करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, यदि उन्हें सही जगह की मंजूरी मिलती है, तो उन्होंने दूल्लभछड़ा सहकारी में खाली जगह में विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद सुदेशना सिन्हा के नाम पर एक ऑडिटोरियम हॉल बनाने का वादा किया। इसलिए, विधायक मालाकार ने दूल्लभछड़ा में विकास के लिए लोगों का सहयोग मांगा और कहा जगह के कारण कहीं डेवलपमेंट काम रूके हुए हैं. इसलिए दुल्लभछड़ा में जगह की जरूरत है जगह मिलने से तब जाकर कई सारे काम किया जाएगा और डेवलपमेंट आगे भी बढ़ेगा। सीवीपी स्कूल के प्रधान देबाशीष सिन्हा ने कार्यक्रम का संचालन किया और उन्होंने विधायक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा उनकी कोशिशें के कारण यह सब यह स्कूल में विकास कार्य मुमकिन हो रहा है उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापन की ओर सीवीपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विकास के लिए तत्पर्थ है इसलिए अब स्कूल का विकास सिर्फ और विकास होगा। एसएमसी के अध्यक्ष मृणाल कांती सिन्हा ने तौलिया से सभी का सम्मान और स्वागत किया और कार्यक्रम में मौजूद सभी पत्रकार को भी तौलिया से सम्मान किया गया. आधारशिला में उपस्थित थे शिक्षक राजेंद्र बारई, दुल्लभछड़ा सहकारी सचिव दीपन सिन्हा, शुभेंद्र कुमार दास, सेवानिवृत्त शिक्षक मणिसेना सिन्हा, मनोरंजन सिन्हा (रानू), डॉ. आसित बरन नाथ, कृष्ण रंजन पाल, पंकज रॉय शर्मा, अपू मजूमदार, जगदानंद सिन्हा, शमकुमार सिन्हा, निर्मल मुखर्जी और अन्य विशिष्ट व्यक्ति मौजूद थे।

काव्यकृति छन्द शतक व उदयदोहावली का हुआ विमोचन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई क्षत्रिय महा सभा के तत्वावधान में क्षत्रिय भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया द्य इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू व विशिष्ट अतिथि शाहजहाँपुर से आये वरिष्ठ साहित्यकार वीरेश सिंह परमार के द्वारा जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार राजकुमार सिंह प्रखर की कृति छन्द शतक व उदयराज सिंह उदय की काव्य कृति उदयदोहावली का लोकार्पण किया गया द्य इस अवसर पर बोलते हुए श्री रानू ने कहा कि साहित्य समाज के पथ प्रदर्शक का कार्य करता है द्य होली मिलन समारोह में जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार ब्रजराज सिंह तोमर , सतीश शुक्ल, देवेंद्र सिंह चौहान निशानाथ अवस्थी, डॉ ईश्वर चंद्रमा श्रवण कुमार रही शिवकुमार बिलग्रामी आदि जनपद के वरिष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित किया गयाद्य साथ ही रामेंद्र सिंह तोमर अध्यक्ष बार एसोसिएशन हरदोई को सम्मानित किया गया वरिष्ठ साहित्यकार वीरेश सिंह परमार व डॉ.शिवशरण सिंह चौहान द्वारा काव्यकृतियो पर संक्षेप में प्रकाश डाला द्य कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष राजपाल सिंह द्वारा की गई इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर धीरेंद्र प्रताप सिंह सेनानी डॉ शिवशरण सिंह चौहान ,उदयवीर सिंह ,श्याम सिंह ,सीमा सिंह ,डा.ब्रह्म स्वरूप पांडेय,गौरव भदौरिया, रजनीश कुमार सिंह , अशोक सिंह, राजा बख्शसिंह, नरेंद्र सिंह कृष्ण कुमार सिंह जगदीश सिंह, महिपाल सिंह श्याम प्रकाश सिंह, श्याम पाल सिंह विश्वनाथ सिंह, श्याम त्रिवेदी, अशोक बाजपेई, गीतेश दीक्षित, मनीष मिश्रा, अभिनव दीक्षित आदि रहे।

हरदोई पत्रकार एसोसिएशन कोथावा इकाई ने सीओ को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

कोथावा/हरदोई। बेनीगंज मे कोतवाली गेट के सामने पत्रकार एसोसिएशन के ब्लॉक कोथावा इकाई के पदाधिकारियों ने क्षेत्राधिकारी हरियावा संतोष कुमार सिंह को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित लिखित पत्रक सौंपते हुए यूपी के सीतापुर जनपद में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की नृशंस हत्या करने वाले हत्यारों की गिरफ़्तारी करने के साथ ही कड़ी से कड़ी सजा दिलाने व परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। पत्रकारों ने कहा कि सीतापुर के पत्रकार राघवेन्द्र वाजपेई की नृशंस हत्या लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की हत्या है। यह किसी व्यक्ति की हत्या नहीं बल्कि चौथे स्तंभ की मान मर्यादा और सम्मान को अपना अभियान मानकर सामाजिक चेतना के लिए बिना किसी सुरक्षा,डर,व निर्भिकता से लोगों की आवाज उठाते रहने वाले पत्रकारों के लिए खुली चुनौती है। और सरकार के लिए उसके मुंह पर कालिख भी है। और कहा कि पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर शोषितों के हक और अधिकार के लिए दिन-रात काम करते हैं इसके बावजूद पत्रकारों के सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है जो? बहुत ही दुखद

है। हरदोई पत्रकार एसोसिएशन ब्लॉक कोथावा की इकाई के पदाधिकारियों ने मांग किया कि पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की हत्या करने वाले अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए तथा सरकार के परिजनों को जान मार के सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए पीड़ित परिवार को कम से कम एक करोड रुपए की आर्थिक मदद की जाए। व परिवार मे एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।और वाजपेयी ज़ी की हत्या करने वाले आरोपियों को फ़ासी दी जाये। और पत्रकारों ने चेतावनी दी। अगर वाजपेयी की हत्या करने वाले हत्यारो पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। तो हरदोई पत्रकार एसोसिएशन से जुड़े पुरे जिले के पदाधिकारीगणों के के साथ एकजुट होकर देशभर में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। क्षेत्राधिकारी हरियावा संतोष कुमार सिंह ने पत्रकारों का आश्वासन देते हुए कहा कि पत्रकारों की भावनाओं को शीघ्र ही मुख्यमंत्री महोदय को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया जाएगा। इस दौरान हरदोई पत्रकार एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष बुद्धसेन सोनी कोषाध्यक्ष शिवम गुप्ता,मीडिया प्रभारी प्रदीप वैश्य,मो शब्बीर अहमद,रोहित मिश्रा,संतोष मिश्रा राजीव रंजन त्रिपाठी व

नीरज शुक्ला, उत्तम द्विवेदी, उमाशंकर वर्मा, मो. सद्दीक, संतोष वर्मा देवाऱलाल त्रिवेदी मौजूद रहे।

विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद सुदेश्ना की पुण्यतिथि के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्मानपूर्वक धूमधाम से श्रीभूमि जिले में मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

असम श्रीभूमि। भाषा शहीद सुदेश्ना सिन्हा विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा आन्दोलन में जान दे दी। इस दिन, असम के बराक घाटी में विष्णुप्रिया मणिपुरी लोगों की भाषा को मान्यता देने वाले शहीद सुदेश्ना सिन्हा थी- 16 मार्च, 1996 को वह विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा आन्दोलन के लिए शहीद हुई। आन्दोलन- असम के बराक घाटी में विष्णुप्रिया मणिपुरी लोगों के लंबे भाषा आन्दोलन के इतिहास में यह दिन एक स्मरणीय दिन है। वह शहीद हुई जब असम श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी के कलकलिघाट रेलवे स्टेशन पर लालफामिर की रैली में आंदोलन के वक्त पुलिस ने गोली चला दी इसी कारण आंदोलन में उनकी मौत हो गई, विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा के लिए अपनी जान दी। आज 16 मार्च (रविवार) इस शहीद दिवस के मौके पर सुदेश्ना सिन्हा वेदी पर विष्णुप्रिया मणिपुरी समाज के लोगों ने एक-एक कर श्रद्धांजलि अर्पित की और विधायक विजय मालाकार ने प्रणाम निवेदन कर फूल देकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उसके बाद दुल्लभछड़ के डाकबंगले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों भाग लिया. इस दिन श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा स्थित लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले के सामने स्थायी शहीद वेदी पर पुष्पार्घ्य अर्पित और माल्यार्पण के माध्यम से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। अंत में डाक बंगला परिसर में समाजसेवी संगठन ÷विष्णुप्रिया मणिपुरी हिंगाला नुया मिंगाल÷ द्वारा आयोजित चर्चा सभा की अध्यक्षता गैर सरकारी शिक्षा संस्थान टी, एस आईडियल होम के प्राचार्य सूरोजित सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामकृष्ण नगर विधानसभा के विधायक विजय मालाकार उपस्थित थे। इस दिन विधायक विजय ने स्थायी शहीद वेदी पर सुदेश्ना सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्घ्य अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। चर्चा सभा के शुभारंभ में कलाकार साधना सिंह ने शहीद सुदेश्ना सिंह पर लिखित गीत प्रस्तुत किया। बाद में चर्चा सभा में उपस्थित

वक्ताओं ने अपने भाषण में विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा आंदोलन के इतिहास को उजागर करते हुए शाहिद सुदेश्ना सिंह के आत्मबलिदान को श्रद्धा के साथ याद किया। सीवीपी हाईयर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व प्राचार्य ब्रज गोपाल सिंह ने अपने भाषण में कहा कि वर्तमान समय में विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा के अधिकांश शिक्षकों का रिटायरमेंट होने के बाद बराक के कई स्कूलों में ये पद खाली हैं। इससे हमारे छोटे बच्चे अपनी मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने विधायक विजय मालाकर का ईस पर ध्यान आकर्षित करते हुए विशेष टेट परीक्षा के माध्यम से बराक के विष्णुप्रिय मणिपुरी भाषा के शिक्षकों के पद भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब ये पद भरे जाएंगे, तब शहिद सुदेश्ना की आत्मा को संतुष्टि मिलेगा। इस पर विधायक विजय ने अपने भाषण में कहा कि वह जल्द ही इस मामले में राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और शिक्षा मंत्री रौनज पेगू से बात करेंगे। साथ ही उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस विषय में मंत्री के पास जाकर इस मांग को प्रस्तुत कर सके, इस व्यवस्था को भी सुनिश्चित करेंगे। इसके अलावा उस दिन विधायक दुल्लभछड़ा में विष्णुप्रिया मणिपुरी शहिद सुदेश्ना सिंह के नाम पर में पांच सौ सीटों वाली ऑडिटोरियम हॉल बनाने का ऐलान किया इसके अलावा पुस्तकालय का निर्माण करने के साथ-साथ अपनी क्षेत्र विकास कोष में से विष्णुप्रिया मणिपुरी शहीद सुदेश्ना सिन्हा की पूरी प्रतिमा स्थापित करने का वादा किया। इसके अलावा, वे घोषणा करते हैं कि हर साल शहीद दिवस पर विष्णुप्रिया मणिपुरी समाज के अग्रणी व्यक्तित्व और मेधावी छात्रों को उनके व्यक्तिगत प्रयासों से पुरस्कृत किया जाएगा। इस दिन बच्चे नृत्य, गीत प्रस्तुत करते हैं और कविता पाठ करते हैं जिससे इस कार्यक्रम को और भी मनमोहक बना देते हैं। शाम को शहीद की याद में मोमबत्ती मार्च में सैकड़ों भाषा प्रेमियों ने दुल्लभछड़ा की मुख्य सड़कें परिक्रमा कीं। इस दिन कार्यक्रम में विष्णुप्रिया मणिपुरी विकास समिति के सदस्य तथा महासभा केंद्रीय समिति के सचिव सुर्जीत सिन्हा, सीवीपी स्कूल के पूर्व अध्यक्षक ब्रजगोपाल सिन्हा, अध्यापक देवाशीष सिन्हा, पूर्व शिक्षक कमला कांत यादव, बीजेपी दुल्लभछड़ा मंडल के पूर्व महासचिव प्रणव मुखर्जी, दरगाबंद जीपी के पूर्व अध्यक्ष हेमचंद्र चाटार्जी, मनोरंजन सिन्हा, कामिनी सिन्हा, डॉ. संतोष सिन्हा, स्वपन सिन्हा, दिवाकर राय, सुभेंदु दास, अंशुमान पाल सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे। इसके साथ ही पूरे कार्यक्रम का संचालन विष्णुप्रिया मणिपुरी हिंगला नुआ मिंगाल के अध्यक्ष देवब्रत सिन्हा, सचिव विश्वजीत सिन्हा और कार्यक्रम सभा के अध्यक्ष सुर्जीत सिन्हा द्वारा 30वाँ विष्णुप्रिया मणिपुरी भाषा शहीद दिवस धूमधाम से मनाया।

प्रवेश द्वार कराएंगे अहसास, मथुरा है खास'

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। प्रवेश द्वार पर होगा अहसास, मथुरा खास है। इसकी पूर्व कार्य योजना तैयार है और काम चालू है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थली मथुरा से जुड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गो पर अब उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद प्रवेश द्वार बनाने जा रहा है। यहाँ मुरली बजाते कृष्ण कन्हाई की छवि ब्रज दर्शन को आने वाले श्रद्वालुओं को धर्म और आध्यात्मिक नगरी मथुरा में प्रवेश करने का अहसास कराएगी। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद जनपद मथुरा से जुड़ने वाले विभिन्न प्रमुख मार्गों पर प्रवेश द्वार बनाने जा रहा है। इनके निर्माण की प्रक्रिया शुरु हो चुकी हे। इनके चयनित स्थल पर सड़क के दोनों ओर भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति लगाई लगाई जाएंगी। इसमें पुरातत्व डिजायन का चार मीटर का पेड़िस्टल और उसके ऊपर आठ मीटर की मूर्ति लगेगी। इस स्थल को विकसित भी किया जाएगा, जिसमें सोलर लाइट, ग्रीनरी भी शामिल है। मूर्ति और चयनित स्थल के विकास को लेकर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद सभागार में बैठक आयोजित की गई। उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मूर्तियो

के प्रारूप को अनुमोदित किया गया। बैठक में शामिल परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि ब्रज के तीर्थ स्थलों से जुड़े मार्गों पर प्रवेश द्वार तैयार किए जा रहे है। इसके लिए सात स्थल चयनित किए हैं। आध्यात्मिक नगरी मथुरा दिल्ली आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग 19 और मथुरा बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग 530 बी और यमुना एक्सप्रेस वे से जुड़ा हुआ है। इनके अलावा मथुरा सहित ब्रज के अन्य धार्मिक स्थल गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव, वृंदावन, बलदेव भी विभिन्न प्रमुख मार्गो पर स्थित हैं, जो राजस्थान और हरियाणा से इन्हें जोड़ते हैं।

प्रवेश स्थल पर बनेंगे पुलिस पिकेट

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने एसएसपी शैलेश पाण्डेय को निर्देशित किया कि परिषद द्वारा विकसित किए जा रहे प्रवेश द्वार पर पुलिस पिकेट तैनात किया जाए। पिकेट के लिए व्यवस्था परिषद द्वारा की जाएगी।

यहां बनेंगे प्रदेश द्वार

- रेपुरा जाट (दिल्ली आगरा नेशनल हाईवे पर ग्वालियर रोड से पहले)
- कोटवन (दिल्ली आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित हरियाणा बॉर्डर)
- साथनी (मथुरा अलीगढ़ मार्ग स्थित)
- सोनई (मथुरा बरेली मार्ग स्थित)
- राधाकुंड (केनाल के निकट)
- वृंदावन कट (यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन रोड स्थित)
- लक्ष्मी नगर (मथुरा राया मार्ग स्थित)

चौबिया पाडा में पानी की पाइप लाइन से दरक रहे मकान!

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। मथुरा महानगर के बार्ड नंबर 68 चौबिया पाड़ा स्थित गली महौली की पौर में मकान फटने का सिलसिला निरंतर जारी है। भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी ने मथुरा वृंदावन नगर निगम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन के माध्यम से नगर आयुक्त शशांक चौधरी को समस्या से अवगत कराया है। समस्या के समाधान के लिए उन्होंने एक ज्ञापन भी दिया। चौबिया पाडा क्षेत्र टीले पर बसा हुआ है करीब 20000 हजार की आबादी इस टीले पर निवास करती है इस क्षेत्र में पीने के पानी की पाइप लाइन अंडरग्राउंड पड़ी हुई है। यह अंडरग्राउंड पाइप लाइन अंग्रेजों के जामने की पड़ी हुई है जो पूरी तरह से जर्जर हो

गई है। हाल ही में विद्युत विभाग ने अंडर ग्राउंड विद्युत लाइन डालने के लिए पूरे चौबिया पांडे क्षेत्र की मिट्टी को खुदवा कर चौविया पाड़ा क्षेत्र से बाहर भेज दिया। चौबिया पड़ा क्षेत्र मे अंडरग्राउंड पाइप लाइन है उसके ऊपर अंडरग्राउंड विद्युत विभाग की विद्युत लाइन है जिसके चलते अंडरग्राउंड पाइप लाइन का पानी जमीन में मर रहा है जिससे पूरे चौबिया पाड़ा क्षेत्र की गलियां निरंतर फट रही हैं। चौबिया पाड़ा क्षेत्र स्थित गली महोली की पौर के निवासी डर डर कर अपना जीवन काट रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने अनेकों बार नगर निगम जाकर अधिकारियों को अवगत कराया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। मांग की है कि चौबिया पाड़ा क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन सड़क के ऊपर ओपन डाली जाए जिनके मकान फट रहे हैं उनको शीघ्र मुआवजा दिया जाए नहीं तो भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ता चौबिया पाड़ा क्षेत्र की जनता के साथ मथुरा वृंदावन नगर निगम कार्यालय पर अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष भरत अग्रवाल, नगर अध्यक्ष करन पाठक, सुनील चौधरी आदि थे।

फीस जमा न होने पर बच्चे को तीन घंटे धूप में बिठाया

मथुरा। सरकारी शिक्षा व्यवस्था से मोह भंग होना अभिभावकों के साथ बच्चों को भी भारी पड रहा है। ऐसे अभिभावकों की तादात बहुतायत में है जिनके पास ठीक रोजगार नहीं है। नियमित पगार नहीं मिलती, ऐसे में उनके सामने कभी भी आर्थिक संकट खडा हो जाता है। इसका खामियाजा उनके पाल्यों को भी भुगतना पडता है। इसका उन बच्चों की मानसिक अवस्था पर विपरीत असर पड रहा है। राया कस्बे की एक निजी शिक्षण संस्था में मंगलवार को एक बच्चे को इसी तरह की विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पडा। छात्र की फीस जमा न हो पाने के कारण उसे परीक्षा से बाहर कर दिया गया और परीक्षा समय के तीन घंटे तक धूप में बिठाए रखा गया। कृष्णा एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा आठ का छात्र है। उसके पिता टिंकू मथुरा में प्राइवेट नौकरी कर परिवार की आजीविका चलते हैं। पिता को विगत चार माह से पगार नहीं मिली, जिसके कारण वह टिंकू की फीस जमा नहीं कर सके। इस बीच विद्यालय प्रबंधन द्वारा लगातार छात्र के अभिभावकों को फीस के लिए सूचित किया जाता रहा। कृष्णा की मां ने विद्यालय प्रबंधन को आश्वासन दिया कि वह 21 मार्च को किसी भी तरह बच्चे की फीस जमा कर देंगे। यह आश्वासन संभवतः इस बिना पर था कि कृष्णा के पिता को पगार मिल जाएगी। इससे पहले ही मंगलवार को विद्यालय प्रबंधन ने कडा फैसला ले लिया। बच्चे को परीक्षा से वंचित करने के साथ ही तीन घंटे तक धूप में बैठने के लिए मजबूर किया जिससे वह अभिभावकों पर फीस जमा करने के लिए घर जाकर दबाव बनाए।

आवश्यकता है
JOB VACANCY
हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र में काम करने हेतु, इच्छुक एवं अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।
खबरों का सच्चा साथी, स्वतंत्र प्रभात
स्वतंत प्रभात के ऑनलाइन चैनल को काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।
स्वतंत्र प्रभात
खबरों का सच्चा साथी
जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।
अपना बायोडाटा भेजें
9511151254
आवाज उठाएं जुर्म के खिलाफ
www.swatantraprabhat.com